Paper No	PAPER NAME:	EXTERNAL	INTERNAL
		THEORY/PRACTICAL	THEORY/PRACTICAL
SEMESTER I			
	THEORY		
Paper I	Philosophical Perspectives of Education	80	20
Paper 2	Nai Talim: An Experiential Learning	80	20
Paper 3	Pedagogy Part I	80	20
	PRACTICUM I		
	Preparation of Teaching Aids ➢ Minimum 6 charts on school contain ➢ Minimum 3 sets of Transparency to Transact school content ➢ Minimum 3 Power Point Presentations to transact school content ➢ Minimum 1video lesson on school content ➢ Minimum one static model to aid school teaching content	Nil	50
	Community Activities ➢ Village Survey ➢ Awareness Rally/Program	Nil	50
SEMESTER II			
	THEORY		
Paper 4	Sociological Perspectives of Education	80	20
Paper 5	Learner and Learning Process	80	20
Paper 6	Elective I	80	20
Paper 7	Educational Technology & Management	80	20
	PRACTICUM II Micro Teaching on Skills of Teaching (any5 skill) Internship (Two weeks) School Experience a) Observation of School Documents b) Mentor's Report Preparation of Question Bank on school content	Nil	50
SEMESTER III			
	THEORY		
Paper 8	Pedagogy Part II	80	20
Paper 9	Nai Talim: Skill Based Learning	80	20
	PRACTICUM III		
	Internship (Sixteen Weeks)	Nil	100
	Reflective Diary & Supervisor's Assessment	Nil	50
SEMESTER IV			
	THEORY		
Paper 10	Gender, School and Society	80	20
Paper 11	Assessment in Learning	80	20
Paper 12	Elective II	80	20
	PRACTICUM IV		
	Training in Yoga and Sports & Games	Nil	50
	Psycho-Metric Assessment	50	Nil
	Viva Voce on Teaching Experience	100	Nil
	TOTAL	1110	240 + 350 = 590
	GRAND TOTAL	1700	

डी.एल.एड. प्रथम वर्ष

सैद्धांतिक परीक्षा–

प्रश्न पत्र क्रमांक	विषय का नाम	प्रस्तावित कुल कालखण्ड	सैद्धांतिक परीक्षा के अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक के अंक	आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक के अंक	योग	विशेष
पहला	बाल विकास और सीखना	120	80	40	20	10	100	सैद्धांतिक व व्यावहारिक (आंतरिक एवं प्रायोगिक) परीक्षा में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
दूसरा	ज्ञान शिक्षा कम व शिक्षण शास्त्र	120	80	40	20	10	100	
तीसरा	शैक्षिक तकनीकी	120	80	40	20	10	100	
चौथा	हिन्दी भाषा शिक्षण स्तर –1	120	80	40	20	10	100	
पांचवा	**English Language Proficiency**	120	80	40	20	10	100	
छठवां	गणित शिक्षण	120	80	40	20	10	100	
सातवां	पर्यावरण व पर्यावरण शिक्षण	120	80	40	20	10	100	
आठवां	शालेय संस्कृति, नेतृत्व एवं विकास	120	80	40	20	10	100	
योग–1		**960**	**640**	**320**	**160**	**80**	**800**	

2. व्यावहारिक परीक्षा

क्र.	विषय	प्रस्तावित कुल कालखण्ड	बाह्य मूल्यांकन के अंक	आंतरिक मूल्यांकन के अंक	पूर्णांक
अ	कला शिक्षा एवं लोक संस्कृति भाग–1	24	20	20	40
ब	योग शिक्षा स्वास्थ्य, स्वच्छता, भावात्मक शिक्षा– भाग–1	24	20	20	40
स	कार्य शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास भाग–1	24	20	20	40
द	कम्प्यूटर शिक्षण भाग–1	24	20	20	40
ई	शाला इंटर्नशीप कार्यक्रम (शाला अवलोकन कार्यक्रम) (कक्षा 1 से 8)	इंटर्नशीप –04 सप्ताह= 30 दिवस 24 कार्य दिवस =144	20	20	40
	योग 02	240	100	100	200
	महायोग (योग 01 एवं योग 02)	1200	740	260	1000

डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष

1. सैद्धांतिक परीक्षा–

प्रश्न पत्र क्रमांक	विषय का नाम	प्रस्तावित कुल कालखण्ड	सैद्धांतिक परीक्षा के अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक के अंक	आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा के अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक के अंक	योग	विशेष
नवां	आधुनिक विश्व के संदर्भ में भारतीय शिक्षा	90	80	40	20	10	100	सैद्धांतिक व व्यावहारिक (आंतरिक एवं प्रायोगिक) परीक्षा में पृथक–पृथक उत्तीर्ण होने के लिए प्रत्येक में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
दसवां	सामाजिक ,सांस्कृतिक परिपेक्ष्य में संज्ञान एवं अधिगम	90	80	40	20	10	100	
ग्यारहवां	विविधता,समावेशी शिक्षा और जेण्डर	90	80	40	20	10	100	
बारहवां	हिन्दी शिक्षण स्तर –2	90	80	40	20	10	100	
तेरहवां भाग 01	अंग्रेजी शिक्षण /	45	40	20	10	05	50	
तेरहवां भाग 02	संस्कृत शिक्षण	45	40	20	10	05	50	
चौदहवां	गणित शिक्षण / विज्ञान शिक्षण / सामाजिक विज्ञान शिक्षण (कोई एक विषय)	90	80	40	20	10	100	
योग 01		540	480	240	120	60	600	

2. व्यावहारिक परीक्षा

क्र.	विषय	प्रस्तावित कुल कालखण्ड	बाह्य मूल्यांकन के अंक	आंतरिक मूल्यांकन के अंक	पूर्णांक
अ	कला शिक्षा एवं लोक संस्कृति भाग–2	21	20	20	40
ब	योग शिक्षा स्वास्थ्य, स्वच्छता, भावात्मक शिक्षा– भाग–2	21	20	20	40
स	कार्य शिक्षा एवं व्यावसायिक विकास भाग–2	21	20	20	40
द	कम्प्यूटर शिक्षण भाग–2	21	20	20	40
ई	शाला इंटर्नशीप कार्यक्रम (शाला अनुभव कार्यक्रम)–(कक्षा 1 से 8)	इंटर्नशीप –16 सप्ताह= 120 दिवस, 96 कार्य दिवस = 576	120	120	240
योग 02		**660**	**200**	**200**	**400**
महायोग (योग 01 एवं योग 02)		**1200**	**680**	**320**	**1000**

1. सैद्धांतिक विषयों की मुख्य परीक्षा छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा प्रत्येक सत्र के अन्त में होगी। मण्डल द्वारा प्रत्येक मुख्य परीक्षा के परिणाम के बाद उसी सत्र के लिए एक अनुगामी परीक्षा होगी।
2. प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्न पत्र में आंतरिक मूल्यांकन हेतु 20 अंक एवं बाह्य मूल्यांकन (मण्डल द्वारा) में प्रति विषय 80 अंक होंगे। बाह्य मूल्यांकन के अंतर्गत प्रत्येक प्रश्न पत्र 3 घण्टे का होगा।
3. सैद्धान्तिक विषयों में आन्तरिक मूल्यांकन के पीछे दृष्टि यह है कि छात्राध्यापक दी गई विषयवस्तु और पठन सामग्री के आधार पर अपने अनुभवों को मिलाकर सोचने के लिए तैयार हो, स्वयं चिंतन कर सके तथा समस्याओं पर अपनी दृष्टि और विचार विकसित कर सके । इन आन्तरिक मूल्यांकन को लेकर कुछ बातों पर ध्यान रखने की आवश्यकता है।
   - कुछ प्रायोजनाएँ नमूना मात्र हैं। हम ऐसा मानते है कि आन्तरिक मूल्यांकन के लिए प्रत्येक छात्राध्यापक को स्वयं इन इकाइयों की विषयवस्तु पर आधारित आन्तरिक मूल्यांकन को लेकर कुछ बातों पर ध्यान रखने की आवश्यकता है।
   - आन्तरिक मूल्यांकन की प्रायोजना प्रत्येक छात्राध्यापक की अलग–अलग हो सकती है। यानी किसी एक डाइट में पढ़ाने वाले छात्राध्यापक की प्रायोजना उसके या किसी दूसरे डाइट में पढ़ाने वाले से भिन्न हो सकती है अर्थात् प्रत्येक छात्राध्यापक को स्व–विवेक से भी प्रायोजना बनानी है।